भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 27 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय: (i) बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य में चक्रवाती तूफान "मोंथा" के 28 अक्टूबर की सुबह तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और 28 अक्टूबर की शाम/रात के दौरान काकीनाडा के आसपास मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच आंध्र प्रदेश तट को पार करने की संभावना है। इस तूफान में अधिकतम 90-100 किमी प्रति घंटे की निरंतर हवा की गति से लेकर 110 किमी प्रति घंटे तक की गति तक की गति हो सकती है।

(ii) पूर्व-मध्य अरब सागर पर दबाव।

(iii) उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव में, 27 से 29 तारीख के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश में; 27 को सौराष्ट्र और कच्छ; 28 और 29 को ओडिशा और 28 अक्टूबर, 2025 को छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 27 अक्टूबर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- सौराष्ट्र और कच्छ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी राजस्थान, लक्षद्वीप, केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

वास्तविक मौसम के अधिक विवरण के लिए कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती तूफान "मोंथा" [उच्चारण: सोम-था] पिछले 6 घंटों के दौरान 18 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ गया और आज, 27 अक्टूबर 2025 को 0830 बजे IST पर, दक्षिण-पश्चिम और आसपास के पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में, अक्षांश 12.6 ° N और देशांतर 85.0 ° E के पास, चेन्नई (तमिलनाडु) से लगभग 520 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 570 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 600 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व, गोपालपुर (ओडिशा) से 750 किमी दक्षिण और पोर्ट ब्लेयर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) से 850 किमी पश्चिम में केंद्रित था। इसके उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और 28 अक्टूबर की सुबह तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर आगे बढ़ते हुए, इसके 28 अक्टूबर की शाम/रात के दौरान काकीनाडा के आसपास मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच आंध्र प्रदेश के तट को एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में पार करने की बहुत संभावना है। इस तूफान की अधिकतम निरंतर हवा की गति 90-100 किमी प्रति घंटा से बढ़कर 110 किमी प्रति घंटा हो सकती है।
- पूर्व-मध्य अरब सागर पर बना अवदाब पिछले 6 घंटों के दौरान 20 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ा और आज, 27 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में, अक्षांश 16.4° उत्तर और देशांतर 66.9° पूर्व के

पास, मुंबई (महाराष्ट्र) से लगभग 700 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में, पंजिम (गोवा) से 750 किमी पश्चिम में, अमिनिदिवी (लक्षद्वीप) से 860 किमी उत्तर-पश्चिम में और मैंगलोर (कर्नाटक) से लगभग 940 किमी पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में केंद्रित रहा। अगले 48 घंटों के दौरान इसके पूर्व-मध्य अरब सागर में लगभग उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है।

- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी हरियाणा और निचले क्षोभमंडल स्तरों पर स्थित है।

- पूर्व मध्य अरब सागर पर अवदाब से जुड़े ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण से एक द्रोणिका रेखा उत्तर-पूर्व अरब सागर होते हुए पश्चिम मध्य प्रदेश और निचले क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण गुजरात क्षेत्र तक जाती है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 27 और 28 अक्टूबर को तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और माहे में; तेलंगाना, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप में 27 अक्टूबर को अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; केरल और माहे, तटीय कर्नाटक में 27 को; तमिलनाडु, रायलसीमा में 27 और 28 को; तेलंगाना में 28 और 29 को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 30 अक्टूबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 27-29 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना है।
- 27 और 28 अक्टूबर को: तमिलनाडु, केरल और माहे, लक्षद्वीप, आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में अगले 5 दिनों तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में बिजली और 30-40 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाओं के साथ तूफान की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 27 और 30 अक्टूबर को पश्चिम मध्य प्रदेश; 29 और 30 को: पूर्व मध्य प्रदेश; 28-30 को: विदर्भ; 27 को: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 27-30 को: छत्तीसगढ़ और ओडिशा; 30-31 को: उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 28-31 को गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड; 29-31 अक्टूबर को: बिहार में कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; 27 को ओडिशा; 29 को: विदर्भ और छत्तीसगढ़; 31 को: उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 30 और 31 को बिहार; 30 अक्टूबर को: झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 28 और 29 अक्टूबर को दक्षिण ओडिशा; 28 अक्टूबर को: छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में बिजली और 30-40 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाओं के साथ तूफान की संभावना है।
- 28 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में 60-70 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाएं; 29 अक्टूबर को: 50-60 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाएं की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 27-29 अक्टूबर को: दक्षिण कोंकण और गोवा; 28 और 29 को: मध्य महाराष्ट्र; 27-31 अक्टूबर को: गुजरात राज्य में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; 27 और 31 को गुजरात क्षेत्र; 29-31 को सौराष्ट्र और कच्छ में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 27 अक्टूबर को सौराष्ट्र और कच्छ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक गुजरात राज्य में बिजली और 30-40 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाओं के साथ तूफान की संभावना है।
- अगले 4 दिनों तक: महाराष्ट्र में बिजली के साथ तूफान की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- 30 अक्टूबर - 02 नवंबर को: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय; 31 अक्टूबर - 02 नवंबर को: नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; 31 अक्टूबर और 01 नवंबर को: असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 30 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ तूफान की संभावना है; 29 और 31 तारीख को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बिजली के साथ तूफान की संभावना है; अगले 3 दिनों के दौरान राजस्थान में भी बिजली के साथ तूफान की संभावना है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- 27 और 28 अक्टूबर को: पूर्वी राजस्थान; 30 अक्टूबर को: पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; 27 अक्टूबर को पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 26 और 27 को: पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 30 और 31 को: पूर्वी उत्तर प्रदेश; 27 और 28 को: पश्चिमी राजस्थान; अगले 5 दिनों तक: पूर्वी राजस्थान में बिजली के साथ तूफान की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी के लिए चेतावनी:

हवा की चेतावनी

- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और आसपास के इलाकों में 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल रही हैं। इसके बाद, 27 अक्टूबर की शाम से पश्चिम-मध्य में हवाएं 80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेंगी और 28 अक्टूबर की सुबह से 90 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेंगी। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम से सटे इलाकों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल रही हैं और 28 की शाम से 29 की सुबह तक इसी क्षेत्र में 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने की संभावना है और 30 अक्टूबर की सुबह तक धीरे-धीरे कम होकर 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने की संभावना है।
- आंध्र प्रदेश और यनम तटों पर: आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के तटों पर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाओं के साथ तूफ़ानी मौसम बना हुआ है। 28 अक्टूबर की सुबह से यह तूफ़ानी हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है, और 28 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक यह 90-100 किमी प्रति घंटे से लेकर 110 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। 29 अक्टूबर की दोपहर तक उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम तटों पर यह धीरे-धीरे कम होकर 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। 29 अक्टूबर की शाम तक तूफ़ानी हवा की गति 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है और उसके बाद इस क्षेत्र में धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

- तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों पर: 27 तारीख को तमिलनाडु-पुडुचेरी तट पर 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है और 27 अक्टूबर की सुबह से 28 अक्टूबर की सुबह तक 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। इसके बाद यह धीरे-धीरे कम हो जाएगा।

- ओडिशा तट पर: दक्षिण ओडिशा तट पर 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। 27 तारीख की शाम से इसकी रफ्तार बढ़कर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है, और 28 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक तूफानी हवा चलने की संभावना है। 29 अक्टूबर की शाम तक दक्षिण ओडिशा तट पर 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी, जो बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी और उसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगी। 28 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक उत्तर ओडिशा तट पर 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी,

जो बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी। 29 अक्टूबर की शाम तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी, जो बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी और उसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

- पश्चिम बंगाल तट पर: 28 से 29 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल तट पर 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी, जो बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

- पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और आसपास के क्षेत्रों में बहुत खराब से लेकर उच्च समुद्री स्थिति बनी हुई है।
- 27 अक्टूबर की शाम से बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम में समुद्र की स्थिति उच्च से बहुत उच्च रहने की संभावना है, जो 28 अक्टूबर की सुबह से 29 अक्टूबर की सुबह तक बहुत उच्च हो जाएगी। इसके बाद, 29 की दोपहर तक इसमें सुधार होने की संभावना है और यह उच्च से बहुत खराब हो जाएगी और अगले 12 घंटों के दौरान बहुत खराब से खराब हो जाएगी।
- आंध्र प्रदेश और यनम तटों के साथ और उसके आसपास: 27 अक्टूबर की सुबह तक आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी के) तटों के साथ और उसके आसपास समुद्र की स्थिति बहुत खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। यह 28 की सुबह से बहुत खराब से उच्च और 28 की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक बहुत उच्च हो जाएगी। इसके बाद, यह 29 अक्टूबर की दोपहर तक उच्च और अगले 12 घंटों के दौरान बहुत खराब से खराब हो जाएगी।
- 28 अक्टूबर की सुबह से लेकर 29 अक्टूबर की सुबह तक यह और भी बिगड़ जाएगा और तेज़ हो जाएगा। अगले 12 घंटों के दौरान इसमें धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है और यह बहुत उग्र से उग्र हो सकता है।
- तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों पर: 28 अक्टूबर तक तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों पर समुद्र की स्थिति उग्र से बहुत उग्र रहने की संभावना है।
- पश्चिम बंगाल के तटों पर: 28-29 अक्टूबर के दौरान पश्चिम बंगाल के तटों पर समुद्र की स्थिति उग्र रहने की संभावना है और उसके बाद इसमें सुधार होगा।

तूफ़ानी लहरों की चेतावनी:

खगोलीय ज्वार से लगभग 1 मीटर ऊँची तूफ़ानी लहरों के कारण तटीय आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के निचले इलाकों में भूस्खलन के समय बाढ़ आने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम, मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे, तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के तटों पर, 29 अक्टूबर तक ओडिशा के तटों पर और 28-29 अक्टूबर के दौरान पश्चिम बंगाल के तटों पर न जाएँ। जो लोग समुद्री क्षेत्र में हैं, उन्हें तुरंत तट पर लौट आना चाहिए।

भारी बारिश और तेज हवाओं (आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के यनम [तिरुपति, अन्नामय्या, नेल्लोर, वाईएसआर कडप्पा, प्रकाशम, बापटला, चित्तौड़, नाडियाल, पालनाडु, गुंटूर, कृष्णा, पूर्व और पश्चिम गोदावरी, कोनसीमा, काकीनाडा, अनाकापल्ली, अल्लूरी सीतारमारजू, विशाखापत्तनम, एलुरु, विजयनगरम, श्रीकाकुलम, पार्वती पुरम) के कारण अपेक्षित प्रभाव और कार्रवाई का सुझाव दिया गया। मान्यम] और दक्षिण ओडिशा तट [गंजम, गजपति, रायगड़ा, मलकानगिरी, कोरापुट, नवरंगपुर, कालाहांडी, कंधमाल, नुआपाड़ा, बौध])

- फूस के घरों/झोपड़ियों को भारी क्षति। छतें उड़ सकती हैं. अनासक्त धातु की चादरें उड़ सकती हैं।
- बिजली और संचार लाइनों को नुकसान।
- कच्ची सड़कों को बड़ी क्षति और पक्की सड़कों को कुछ क्षति। भागने के मार्गों में बाढ़.
- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े पेड़ों का उखड़ना। केले और पपीते के पेड़ों को बड़े पैमाने पर नुकसान। पेड़ों से बड़ी सूखी शाखाएँ उड़ गईं।
- बाढ़ और तेज़ हवाओं के कारण धान की फ़सलों, बागवानी और खड़ी फ़सलों और बाग़ों को नुकसान।
- भारी वर्षा और अचानक बाढ़ के कारण तटीय ज़िलों के निचले इलाकों में जलभराव।

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास का बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- जलभराव और तेज़ हवाओं के कारण यातायात में व्यवधान।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी धंसना। इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।
- तटबंधों/नमक पैन को नुकसान।
- उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम के तटीय जिलों में तटीय बाढ़ और तटीय कटाव की भी प्रबल संभावना है।

सुझाई गई कार्रवाई:

- मछली पकड़ने के कार्यों को पूरी तरह से स्थगित करना।
- तटीय झोपड़ियों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना। प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को घर के अंदर ही रहना है।
- मोटर बोटों में आवाजाही असुरक्षित है।
- अपतटीय/तटीय परिचालनों का विवेकपूर्ण विनियमन।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, तुरंत बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें, जलाशयों से बाहर निकल जाएँ और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को विनियमित किया जाएगा।
- भूतल परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को विनियमित किया जाएगा।

अरब सागर के क्षेत्रों के लिए चेतावनी:

हवा की चेतावनी:

- प्रणाली के केंद्र के आसपास 45-55 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने वाली तेज़ हवाएँ चल रही हैं और 27 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व अरब सागर में जारी रहेंगी।
- लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक तथा केरल के तटों पर 27 अक्टूबर तक 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने वाली तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है, और 27 अक्टूबर को उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों पर 35-45 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने वाली हवाएँ चलने की संभावना है। 28 से 30 अक्टूबर के दौरान यह बढ़कर 45-55 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

- 27 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व अरब सागर में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है।
- 27 अक्टूबर तक लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक और केरल के तटों पर समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है।
- 27 अक्टूबर को उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है, और 28 से 30 अक्टूबर के दौरान खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य अरब सागर, 27 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्व अरब सागर, 27 अक्टूबर तक लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक तथा केरल के तटों पर, 30 अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों पर न जाएँ।

भारी वर्षा और तेज हवाओं के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई (केरल, तटीय कर्नाटक, कोंकण और गोवा तथा गुजरात राज्य):

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ की शाखाएं टूटना। तेज हवा और भारी बारिश से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान।
- भारी बारिश के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- स्थानीय अचानक बाढ़, भूस्खलन, मिट्टी का खिसकना, भूस्खलन, जलभराव, जलमग्नता और निचले इलाकों में बाढ़ हो सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सतह और हेलीकॉप्टर सेवाएं नियंत्रित हो सकती हैं।
- तेज हवा और भारी बारिश के कारण छोटे जहाजों और देसी नावों पर प्रभाव पड़ सकता है।

सुझाव:

- लोगों को मौसम पर नजर रखने और बिगड़ते हालात के लिए सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने की सलाह।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिरने की संभावना हो सकती है।
- बिजली गिरने की संभावना होने पर, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित करें।
- सतह परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित करें।

ii. 27 से 30 अक्टूबर, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

पिछले 24 घंटों में आज, 27 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक दर्ज की गई वर्षा (सेमी में) (≥ 7 सेमी):

- **सौराष्ट्र और कच्छ**: राजुला (जिला अमरेली) 22; दीव (जिला दीव) 15; शिहोर (जिला भावनगर) 13; जाफराबाद (जिला अमरेली) और ऊना (जिला गिर सोमनाथ) 12 प्रत्येक; सावरकुंडला (जिला अमरेली) और वल्लभीपुर (जिला भावनगर) 9 प्रत्येक; पालिताना (जिला भावनगर), सूत्रपाड़ा (जिला गिर सोमनाथ), जेसर (जिला भावनगर) 8 प्रत्येक; कोडिनार (जिला गिर सोमनाथ) और गरियाधर (जिला भावनगर) 7 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र:** उकाई (जिला सूरत) 14; सोनगढ़ (जिला तापी) 10; उमरपाड़ा (जिला सूरत) 9;
- **कोंकण और गोवा:** मोरमुगाओ - पीएमओ आईएमडी (जिला दक्षिण गोवा), डाबोलिम एन.ए.एस.- नौसेना (जिला दक्षिण गोवा) 13 प्रत्येक; पणजी (जिला उत्तरी गोवा) 11; पेरनेम (जिला उत्तरी गोवा) 10; कैनाकोना (जिला दक्षिण गोवा), मापुसा (जिला उत्तरी गोवा) 8 प्रत्येक;
- **मध्य महाराष्ट्र:** सतना बागलान (जिला नासिक) 9; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: प्रथीपाडु (जिला काकीनाडा) 8; लक्षद्वीप: अगाथी (जिला लक्षद्वीप) 8;
- **तटीय कर्नाटक:** उत्तर कन्नड़_भटकल_बैलूर 12; उत्तर कन्नड़_भटकल_हेबल-10, उत्तर कन्नड़_भटकल_कोप्पा-9, उत्तर कन्नड़_भटकल_बेंग्रे-9; होनावर (जिला उत्तर कन्नड़), कुमता (जिला उत्तर कन्नड़) 8 प्रत्येक; कारवार (जिला उत्तर कन्नड़) 7;
- **केरल और माहे:** टेलिचेरी (जिला कन्नूर) 7;
- **पूर्वी राजस्थान:** खातोली 7;
- **तटीय आंध्र प्रदेश:** प्रथीपाडु (जिला काकीनाडा) 8.

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	27- Oct	28- Oct	29- Oct	30- Oct	31- Oct	1- Nov	2- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	WS	FWS	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	ISOL	SCT	FWS	WS	FWS	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	FWS	ISOL
7	ODISHA	FWS	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	FWS	WS	WS	SCT	ISOL	DRY
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	SCT	ISOL	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	WS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	FWS	WS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

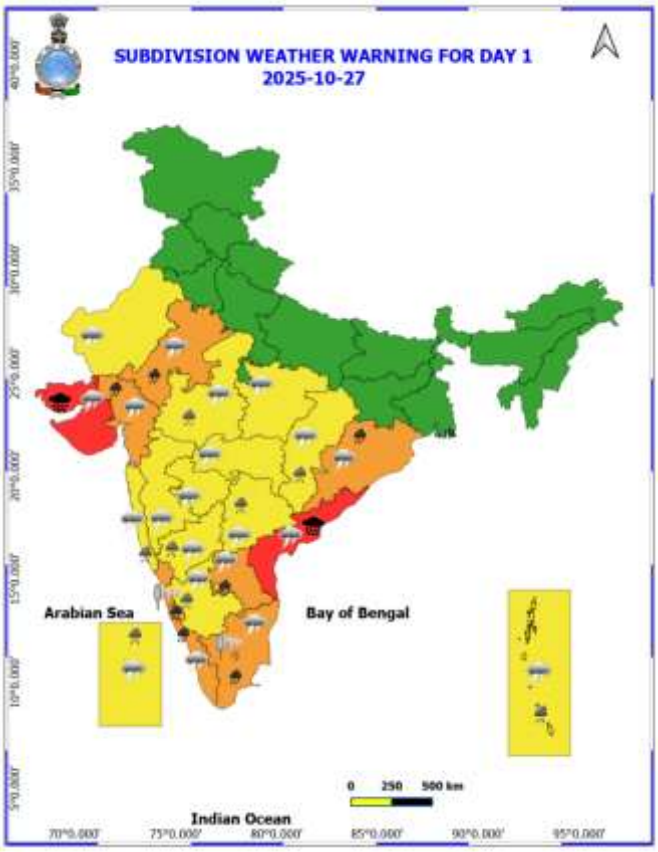
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-27
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

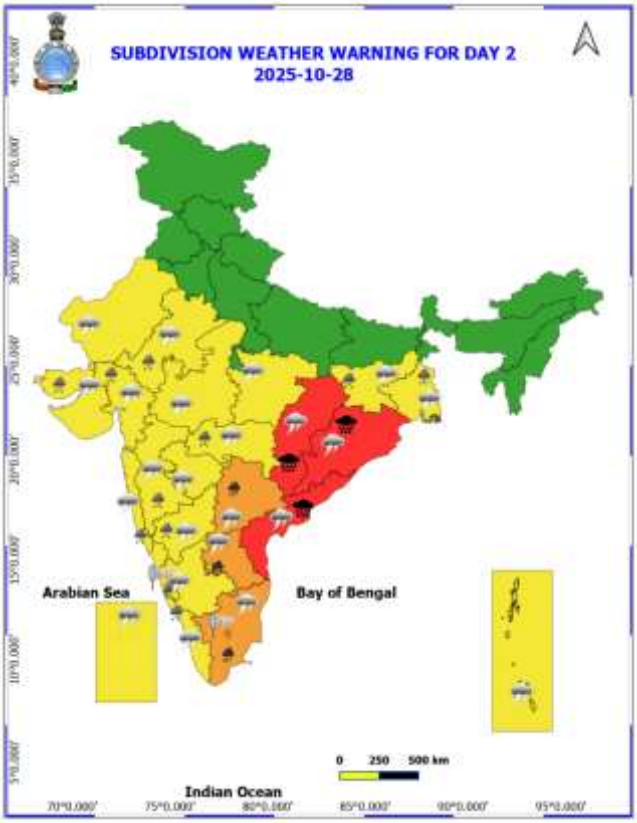
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

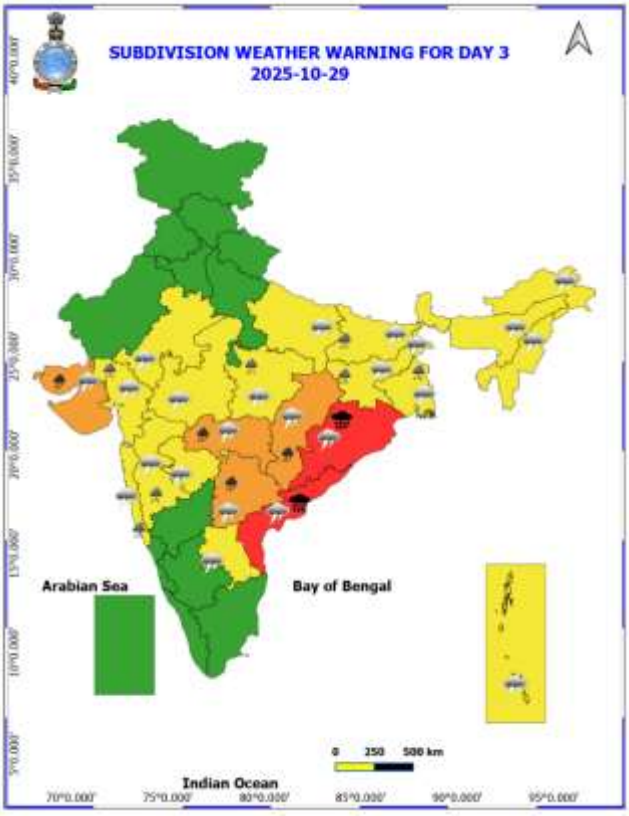
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-29
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

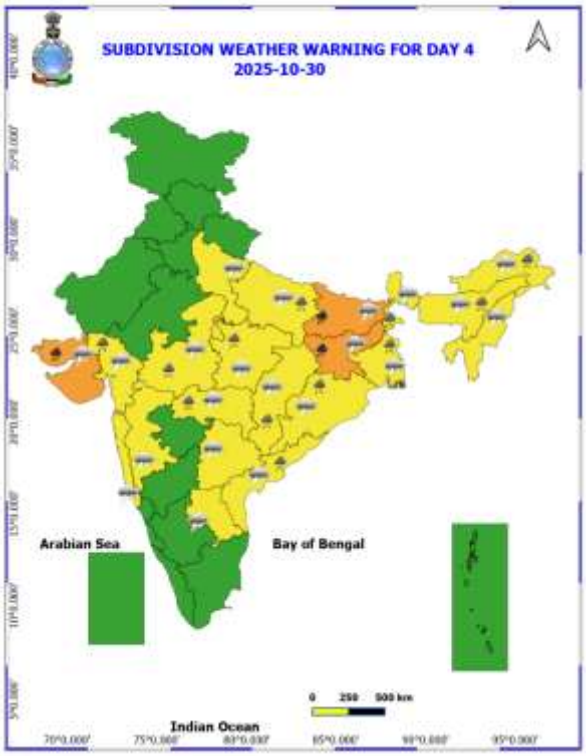

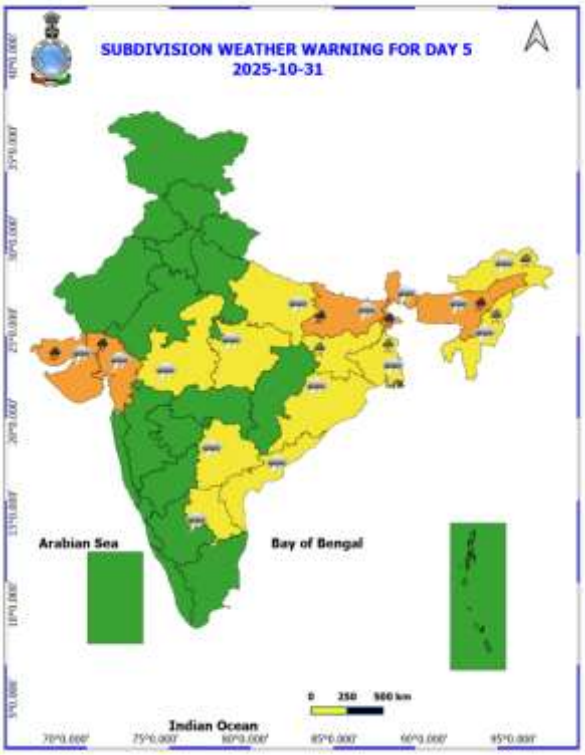

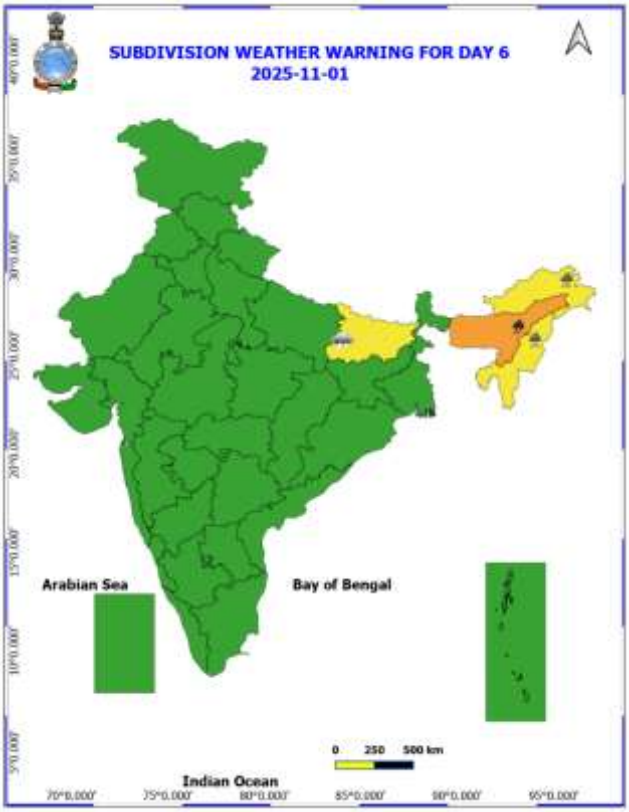

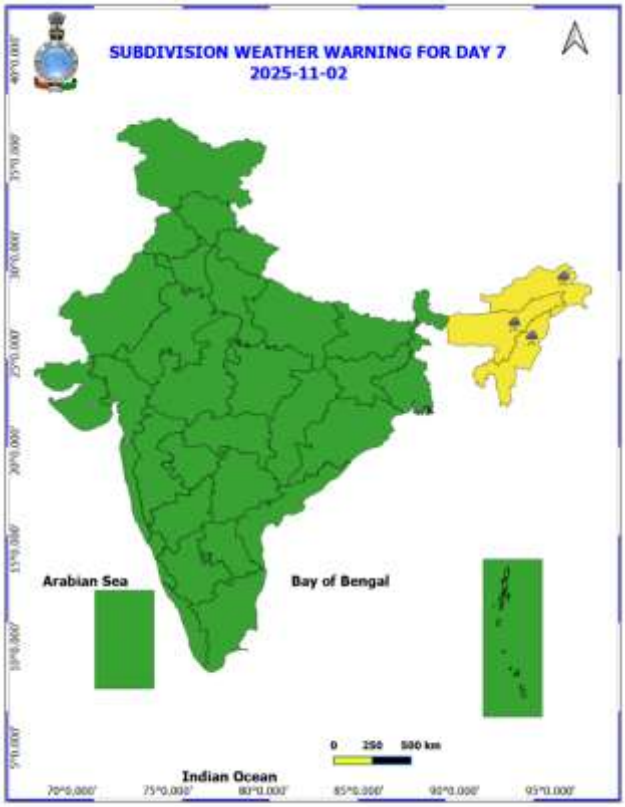

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

27 से 30 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस तक और अधिकतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 33 डिग्री सेल्सियस और 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्यतः साफ रहा और उत्तर-पूर्व दिशा से सतही हवाएँ चल रही थीं, जो धीरे-धीरे बढ़कर 8 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुँच गई। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और उत्तर-पूर्व दिशा से शांत हवाएँ चल रही थीं, जो धीरे-धीरे बढ़कर 8 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुँच गई।

मौसम की महत्वपूर्ण विशेषताएँ: मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक द्रोणिका के रूप में पश्चिमी विक्षोभ 27 अक्टूबर 2025 से 29 अक्टूबर 2025 की सुबह तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उससे सटे उत्तरी मैदानी इलाकों को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से, 27 अक्टूबर की शाम से 28 अक्टूबर 2025 की सुबह तक दिल्ली में एक या दो बार बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान: 27.10.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो दोपहर/शाम तक सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। शाम से धुंध/धुंध छाई रहेगी। शाम/रात के दौरान एक या दो बार बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 29 से 31°C के बीच रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 5 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

28.10.2025: सुबह के समय धुंध के साथ आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की बारिश की एक या दो बार संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28 से 30°C और 18 से 20°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-4°C तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा शांत रहेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

29.10.2025: सुबह के समय धुंध/हल्का कोहरा छाए रहने के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 से 31 डिग्री सेल्सियस और 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। प्रमुख सतही हवा दक्षिण दिशा से आने की संभावना है जो शांत हवा के साथ चलेगी और सुबह के समय धीरे-धीरे बढ़कर 5 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 8 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

30.10.2025: सुबह के समय धुंध/हल्का कोहरा छाए रहने के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 से 31 डिग्री सेल्सियस और 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 - 3 डिग्री सेल्सियस अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 - 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ उत्तर दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। दोपहर में उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी और बहुत भारी बारिश के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाव:

- 27-29 तारीख के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 28 और 29 तारीख को दक्षिण ओडिशा; 28 को छत्तीसगढ़; 27 अक्टूबर को सौराष्ट्र और कच्छ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना है।

- 27 तारीख को ओडिशा, केरल और माहे तथा तटीय कर्नाटक में, 27 और 28 तारीख को तमिलनाडु, रायलसीमा, 28 और 29 तारीख को तेलंगाना; 30 तारीख को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 29 को विदर्भ और छत्तीसगढ़; 31 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 30 और 31 तारीख को बिहार; 30 अक्टूबर को झारखंड; 31 अक्टूबर और 01 नवंबर को असम और मेघालय; 27 अक्टूबर को पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- उपरोक्त क्षेत्रों में सड़कों पर स्थानीय बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- प्रमुख शहरों में सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात में व्यवधान, जिससे यात्रा समय में वृद्धि।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय भूस्खलन/मिट्टी का खिसकना/भूस्खलन/मडस्लिप/लैंडसिंक/मडसिंक।
- जलमग्नता के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कुछ नदी घाटियों में नदी बाढ़ का कारण बन सकता है (नदी बाढ़ के लिए कृपया CWC की वेबसाइट देखें)।

सुझाव:

- अपने गंतव्य के लिए निकलने से पहले अपने मार्ग पर यातायात जाम की स्थिति की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- कमजोर संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **आंध्र प्रदेश** में, भारी वर्षा के दौरान मूंगफली की फसल की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, कपास, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा केले, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। जब तक मिट्टी में नमी इष्टतम स्तर पर न पहुंच जाए, तब तक रबी फसलों (रबी मक्का, बंगाल चना आदि) की बुवाई न करें।
- **तमिलनाडु** में, धान और मूंगफली की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा धान और मूंगफली की कटी हुई उपज और तोड़े गए केले के गुच्छों को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, गन्ना, कपास, उड़द, मक्का एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केले और काली मिर्च के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी के लिए उचित व्यवस्था करें। भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई या सीधी बुवाई एवं मक्का की बुवाई न करें।
- **केरल** में, धान की परिपक्व फसल की तुरंत कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान एवं सब्जियों के खेतों और केले, नारियल, सुपारी, इलायची और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, भारी वर्षा के दौरान धान की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। धान के खेतों तथा नारियल, सुपारी और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **तेलंगाना** में, कपास की परिपक्व फसल की तुरंत कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खेतों में रखी हुई मक्का और सोयाबीन की पहले से कटी हुई फसल को तिरपाल से ढक दें या किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में, धान की कटी हुई उपज को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, सब्जियों और बागवानी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **ओडिशा** में, यदि धान की फसल में 85% दानें पक गए हों तो बारिश शुरू होने से पहले फसल को काटकर सुरक्षित स्थानों पर रख दें या कटी हुई फसल को खेतों में पॉलीथीन से ढक दें। परिपक्व उड़द, मूंग, मक्का, सब्ज़ियों (कद्दू, भिंडी, बैंगन, करेला

आदि), मक्के के पके हुए भुट्टों एवं केले के पके हुए गुच्छों की कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, उड़द, मूंग, अरहर, मक्का, मूंगफली, कपास, गन्ना और सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें। रबी फसलों (रबी दलहन, सब्ज़ियाँ आदि) की बुवाई / रोपण बारिश बंद होने तक स्थगित रखें।

- **झारखंड** में, धान की परिपक्व फसल की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **बिहार** में, धान और मक्का की परिपक्व फसलों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान, लघु अनाज, मक्का, उड़द, कुलथी, मूंगफली और अरहर की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **गुजरात** में, धान, मूंगफली, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल, मक्का, बाजरा और सब्जियों (टमाटर, बैंगन, मिर्च, भिंडी, खीरा आदि) की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **कोंकण** में, धान और रागी की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। **मध्य महाराष्ट्र** में, धान, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली और बाजरा की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। **विदर्भ** में, धान (शीघ्र पकने वाली किस्में), सोयाबीन और कपास की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **पूर्वी राजस्थान** में, मक्का और सोयाबीन की परिपक्व फसलों की कटाई करें। धान, मक्का और सोयाबीन की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन

28-10-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) का 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

पूर्वी राजस्थान - डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और उदयपुर जिले।
गुजरात क्षेत्र - अहमदाबाद, अरावली, गांधीनगर, महेसाणा, पाटन और साबर कांठा जिले।
सौराष्ट्र और कच्छ - अमरेली, भावनगर, बोटाद, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, राजकोट, सुरेंद्रनगर, मोरबी और कच्छ जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

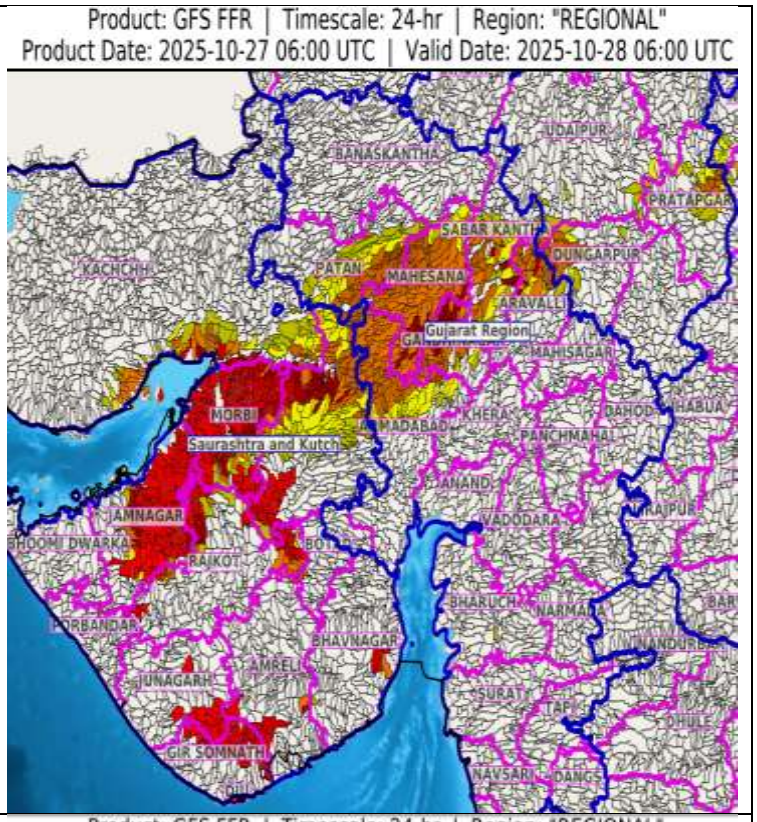

28-10-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।
तटीय आंध्र प्रदेश और यनम - प्रकाशम, नेल्लोर, विशाखापत्तनम और विजयनगरम जिले।
रायलसीमा - अनंतपुरमु, चित्तूर, कुरनूल और कडप्पा जिले।
दक्षिण आंतरिक कर्नाटक - बैंगलोर ग्रामीण, बैंगलोर शहरी, कोलार और रामनगर जिले।
तमिलनाडु - पुडुचेरी और कराईकल - चेन्नई, कुड्डालोर, धरमपुरी, कांचीपुरम, कृष्णागिरी, सलेम, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, वेल्लोर और विल्लुपुरम जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा होने के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

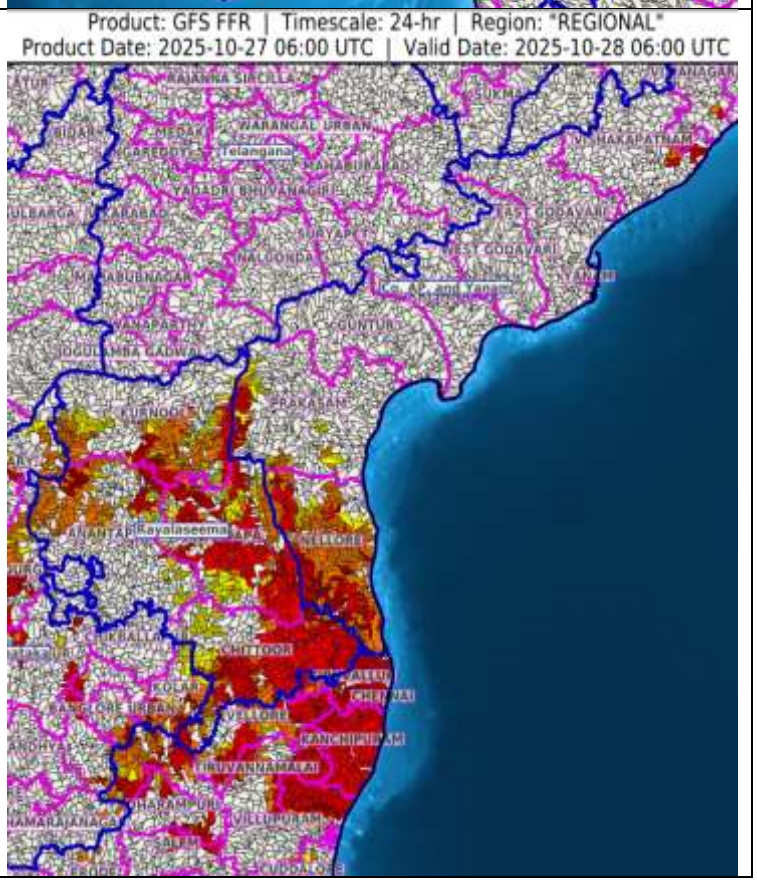

- **किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:**
  - **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

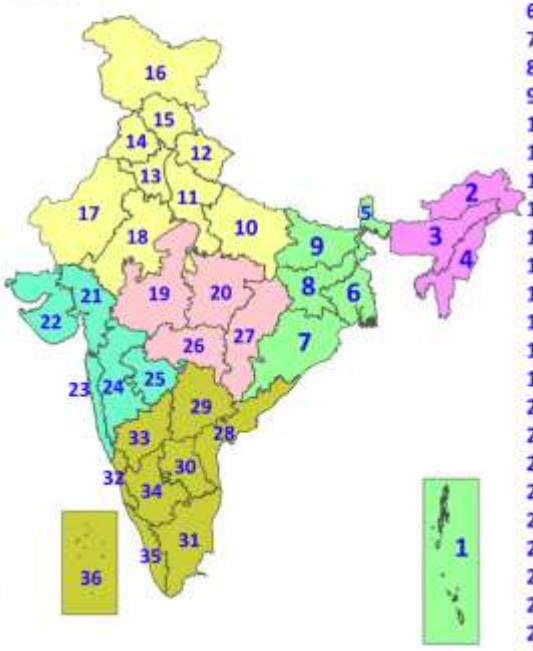

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)